भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 5255
दिनांक 24.03.2026 को उत्तरार्थ

मेरी पंचायत ऐप

†5255. श्री जगदीश शट्टरः

क्या **पंचायती राज** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मेरी पंचायत ऐप जैसे डिजिटल टूल की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सभी पंचायतों को फाइबर टू द होम (एफटीटीएच) इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(ख) क्या यह प्रयत्न सफल रहा है, यदि हां, तो विशेष रूप से कर्नाटक के संदर्भ में तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पंचायती राज मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) और (ख) सरकार ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि मेरी पंचायत ऐप सहित डिजिटल शासन उपकरणों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। ग्राम पंचायतें इंटरनेट से विभिन्न माध्यमों के जरिए जुड़ी हुई हैं, जिनमें फाइबर-टू-द-होम (FTTH) कनेक्शन तथा निजी इंटरनेट सेवा प्रदाताओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं शामिल हैं**।** मंत्रालय के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कुल 2,58,730 ग्राम पंचायतों में से 2,52,742 ग्राम पंचायतें (97.68%) ई -ग्राम स्वराज पोर्टल पर ऑनबोर्ड की जा चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, चालू वित्तीय वर्ष के दौरान 2,44,175 ग्राम पंचायतों एवं समकक्ष (96%) द्वारा ई-ग्रामस्वराज–पीएफएमएस इंटरफेस के माध्यम से ₹39,440 करोड़ की ऑनलाइन भुगतान प्रक्रिया संपन्न की गई है। यह स्तर दर्शाता है कि ग्राम पंचायत स्तर पर इंटरनेट कनेक्टिविटी पर्याप्त रूप से उपलब्ध है।

इसके अतिरिक्त, दूरसंचार विभाग द्वारा कार्यान्वित भारतनेट कार्यक्रम के तहत, ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी प्रदान की जा रही है ताकि फाइबर-टू-द-होम (एफटीटीएच) कनेक्शन सहित हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान की जा सकें।

भारतनेट यूएनएमएस डैशबोर्ड पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 2.18 लाख ग्राम पंचायतों (जीपी)/ पारंपरिक स्थानीय निकायों (टीएलबी) को सेवा के लिए तैयार कर दिया गया है। कर्नाटक राज्य के विशिष्ट संदर्भ में, सभी ग्राम पंचायतों (5949) को सेवा के लिए तैयार कर दिया गया है।